



PROF. NAGAPPA GANESH KRISHNARAJANAGAR

Prof. Nagappa Ganesh Krishnarajanagar, the first and founding Director of the Indian Institute of Science Education and Research (IISER) Pune and IISER, Tirupati is known for his excellent research contributions in the chemistry and biology of nucleic acids, focusing on therapeutic and diagnostic applications of DNA analogues, structural biology of collagen peptides and the emerging area of DNA nanotechnology. He is internationally recognised for his original and creative contributions to the design of Peptide Nucleic Acid (PNA) analogues for effective cell permeation.

2. Born on 25th May, 1953, Prof. Ganesh obtained his B.Sc (1970) and M.Sc (1972) degrees in Chemistry from Bangalore University and did his Ph.D (1976) in Chemistry at Delhi University. He joined the Centre for Cellular and Molecular Biology (CSIR) at Hyderabad in 1981 and he relocated to National Chemical Laboratory (NCL-CSIR) in 1987. He has more than 180 publications in reputed international journals, two international patents and guided 46 students for their doctoral degrees.

3. Prof Ganesh is a Fellow of all the three Science Academies in India and also a Fellow of The World Academy of Sciences (TWAS). He served as the President of Division of Organic and Biomolecular Chemistry of IUPAC (2012-2013). He has served as Member/Chairman of various policy making and Project Advisory Committees of the Department of Science & Technology (DST) and Department of Biotechnology (DBT), some being Nanoscience Advisory Group of DST Nanoscience mission; DBT Taskforce on Nanobiotechnology, Research Advisory Board of Institute of Nanoscience and Technology (INST) Chandigarh, Chairman, Governing Council of Center for Nanoscience and soft-matter (CeNS) Bengaluru and Member, Management Council JNCASR Bengaluru.

4 Prof. Ganesh has served as a member of the Editorial Advisory Boards of various international chemistry journals. He is the Founding Editor for ACS Omega (since April 2016) - the first open Access Journal from the American Chemical Society and is currently leading its editorial team. As the First and Founding Director of new established IISER Pune and Founder Director of IISER, Tirupati, he has provided great leadership to Institution building to establish IISERs as premier brand science education and research institutes, now attaining international recognition.

5. Prof. Ganesh has received innumerable awards, the most important ones being Shanti Swarup Bhatnagar award of Chemical sciences (CSIR) and TWAS Prize for Chemical Sciences, SASTRA-CNR Rao Award of SASTRA University (2015), H K Firodia Vijnan Bhushan Award (2015) Doctorate of Science (honoris causa) of Vidyasagar University (West Bengal) and National Researcher Award in Nanoscience and Technology (2016). This year he was awarded National Science Chair of DST, New Delhi



प्रो. नागप्पा गणेश कृष्णराजनगर

प्रो. नागप्पा गणेश कृष्णराजनगर, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) पुणे और आईआईएसईआर, तिरुपति के प्रथम संस्थापक निदेशक हैं जिन्हें चिकित्सीय और नैदानिक अनुप्रयोगों पर केंद्रित, डीएनए एनालॉग्स, कोलेजन पेप्टाइड्स की संरचनात्मक जैविकी, डीएनए नैनोटेक्नोलॉजी के उभरते हुए क्षेत्र, न्यूक्लिक एसिड की रासायनिकी जैविकी में उनके उत्कृष्ट शोध योगदान के लिए जाना जाता है। उन्हें प्रभावी सेल व्याप्ति के लिए पेप्टाइड न्यूक्लिक एसिड (PNA) एनालॉग्स के डिजाइन में उनके मौलिक और रचनात्मक योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त है।

2. 25 मई, 1953 को जन्मे प्रो. गणेश ने बेंगलूर विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में बीएससी (1970) और एमएससी (1972) की डिग्री प्राप्त की और दिल्ली विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान में पीएच.डी (1976) की। वह 1981 में हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (CSIR) में नियुक्त हुए और 1987 में उन्हें नेशनल केमिकल लेबोरेटरी (NCL & CSIR) में स्थानांतरित कर दिया। प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उनके 180 से अधिक प्रकाशन, दो अंतरराष्ट्रीय पेटेंट हुए हैं और उन्होंने डॉक्टरेट की डिग्री के लिए 46 छात्रों का मार्गदर्शन किया है।

3. प्रो. गणेश भारत में तीनों विज्ञान अकादमियों के फेलो हैं और वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज (TWAS) के फेलो भी हैं। उन्होंने आईयूपीएसी के ऑर्गेनिक एंड बायोमोलेक्यूलर कैमिस्ट्री डिवीजन के अध्यक्ष (2012–2013) के रूप में कार्य किया। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) की विभिन्न नीति निर्माण और परियोजना सलाहकार समितियों के सदस्य/अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है, इनमें से कुछ, जैसे डीएसटी नैनोसाइंस मिशन के नैनोसाइंस सलाहकार समूह; नैनोबायोटेक्नोलॉजी पर डीबीटी टास्कफोर्स; इंस्टीट्यूट ऑफ नैनोसाइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएनएसटी) चंडीगढ़ के रिसर्च एडवाइजरी बोर्ड; चेयरमैन, सेंटर फॉर नैनोसाइंस एंड सॉफ्ट-मैटर (सीईएनएस) बेंगलुरु की गवर्निंग काउंसिल और सदस्य, मैनेजमेंट काउंसिल जेएनसीएसआर बेंगलुरु शामिल हैं।

4. प्रो. गणेश ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रसायन विज्ञान पत्रिकाओं के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया है। वह अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के प्रथम ओपन एक्सेस जर्नल एसीएस ओमेगा के संस्थापक संपादक (अप्रैल 2016 से) हैं और वर्तमान में अपनी संपादकीय टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। नवस्थापित आईआईएसईआर पुणे के पहले संस्थापक निदेशक और आईआईएसईआर, तिरुपति के संस्थापक निदेशक के रूप में, उन्होंने आईआईएसईआर को प्रमुख ब्रांड वाले विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान के रूप में स्थापित करने के लिए शानदार नेतृत्व किया है और अब यह अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त कर रहा है।

5. प्रो. गणेश को अनगिनत पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण रसायन विज्ञान का शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (सीएसआईआर) और रसायन विज्ञान का टीडब्ल्यूएस पुरस्कार, सास्त्र विश्वविद्यालय का सास्त्र-सीएनआर राव पुरस्कार (2015), एच. के. फिरोदिया विज्ञान भूषण पुरस्कार (2015), विद्यासागर विश्वविद्यालय (पश्चिम बंगाल) का डॉक्टरेट ऑफ साइंस (मानद) और नैनोसाइंस एंड टेक्नोलॉजी में राष्ट्रीय शोधकर्ता पुरस्कार (2016) शामिल हैं। इस वर्ष उन्हें डीएसटी, नई दिल्ली के नेशनल साइंस चेयर से सम्मानित किया गया था।